© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

# सोशल मीडिया मे हिन्दी के प्रभाव पर अध्ययन

**सुरेश कुमार**, व्या. प्राध्यापक हिन्दी
राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, क्योड़क जिला कैथल

**सार**

वर्तमान में अपने विचारों या भावों को आमजन तक पहुँचाने में सोशल मीडिया महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यह एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है जो इन्टरनेट के माध्यम से एक व्यक्ति दूसरों से जुड जाता है। सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क है, जो कि सारे विश्व को सूत्रता में बाँधता है। यह विश्व का सुगम एवं सस्ता माध्यम है जो तीव्र गति से सूचनाओं का आदान-प्रदान करके हर क्षेत्र की घटनाओं को आमजन तक पहुँचाता है। इस माध्यम के द्वारा किसी भी व्यक्ति, संस्था, समूह और देश आदि को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। कुछ समय पहले जब सोशल मीडिया का अवतार हुआ तब ज्यादातर लोग अंग्रेजी भाषा का ही प्रयोग करते थे, उस समय हिंदी भाषी लोग सोशल मीडिया का सहज उपयोग नहीं कर पाते थे। लेकिन अब बदलते परिदृश्य के साथ-साथ हिंदी भाषा ने सोशल मीडिया के मंच पर दस्तक देकर अपने अस्तित्व को और भी बुलंद तरीके से स्थापित किया है। आज सोशल मीडिया पर हिन्दी का प्रयोग लोगों के लिए अलग पहचान दिलाने में आकर्षक साबित हुआ है। आज विभिन्न कम्पनियाँ हिन्दी भाषा में अपना विज्ञापन तथा सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करती है, क्योंकि उनका मानना है कि आज हिंदी भाषा का विस्तृत फलक है और अगर उन्हें भी अपनी सूचनाओं को बहुसंख्यक लोगों तक पहुँचाना है तो वही भाषा चुननी होगी, जिसके पाठक वर्ग अधिक हो तथा ग्राहक सहज और परिवारिकता महसूस करें।

ISSN : 2348-5612 © URR
9 770234 856124

**मुख्य शब्द :** सोशल मीडिया ,हिन्दी, आकर्षक, राजनीतिक इत्यादि ।

## प्रस्तावना

सोशल मीडिया पर एक समय में अंग्रेजी भाषा का एकाधिकार आप कह सकते हैं था। लेकिन अब हिंदी भाषा सोशल मीडिया पर दिन प्रतिदिन रुझान बढ़ रहा है। विश्व में हिंदी तीसरे नंबर की सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है बदलते वक्त के साथ हिंदी भाषा में सोशल मीडिया पर अपना एक वर्चस्व कायम किया है। पहले लोग सोशल मीडिया पर अंग्रेजी भाषा में अपने विचार रखते हुए मजबूरी महसूस करते थे लेकिन गूगल इंडिक कीबोर्ड के आने से हिंदी को एक नया आयाम मिला है अब कोई भी व्यक्ति बोलकर हिंदी

भाषा में अपने विचार सोशल मीडिया पर रख सकता है गूगल इंडिक कीबोर्ड एक सॉफ्टवेयर है जिसकी मदद से आप किसी भी भाषा में अपने विचार बोलकर या लिख कर लिख सकते हैं अब ज्यादातर भारतीय गूगल इंडिक कीबोर्ड का इस्तेमाल करते हैं और सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा में अपने विचार लिखते हैं। पहले मीडिया के दो पार रूप प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिंदी भाषा प्रचलित थी हालांकि महत्व हमेशा इंग्लिश भाषा को दिया जाता था अंग्रेजी के अखबार पढ़ने वाले फक्र महसूस करते थे हिंदी भाषा को लेकर ऐसा नहीं था इंटरनेट के युग में अब हिंदी भाषा को लेकर लोग उमड़ रहे हैं लोग अपनी भावनाओं में अपने विचार अपनी भाषा में प्रकट कर रहे हैं।

सोशल मीडिया में विशेषकर फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम ज्यादा लोकप्रिय हैं। भारत में फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम बड़ी तेजी से फैला और आज लगभग हर भारतीय इन से अवगत है कहीं ना कहीं वह भी फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम पर लिखे गए विचारों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता आज कोई भी साधारण सा इंसान अपनी भाषा हिंदी में अपने विचार फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम पर लिख रहा है बड़े सहज तरीके से कोई दूर दूसरे देश में बैठा व्यक्ति उसके विचार को पढ़ रहा है और उससे प्रेरणा ले रहा है।

एक अनुमान के तौर पर दुनिया भर में फेसबुक को लगभग एक अरब 28 करोड इंस्टाग्राम को 15 करोड़ ट्विटर को 9 करोड़ का प्रयोग कर रहे हैं। भारत में फेसबुक और ट्विटर पर सक्रिय भारतीयों की संख्या 100 मिलियन और 33 मिलियन के पार है। सस्ते स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हिंदी भाषा को एक नया आयाम दिया है मौजूदा समय में भारत में लगभग 40 करोड लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। और इन 40 करोड लोगों में से 33 करोड स्मार्टफोन के जरिए सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। एक दशक पहले जब इंटरनेट महंगा था तब लोग सोशल मीडिया को लेकर इतने फ्रेंडली नहीं थे लेकिन अब जब इंटरनेट लगभग हर भारतीय की पहुंच में है कम पैसों में अब हर भारतीय की तमन्ना है कि वह अपने विचारों से लोगों को अवगत करवाएं।

सस्ते स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट और सोशल मीडिया ने मिलकर हिंदी भाषा को नई ऊंचाइयां दी है आज हिंदी भाषा अपने सबसे अच्छे दौर में जी रही है। सस्ते स्मार्टफोन और सस्ती इंटरनेट ने प्रिंट मीडिया को भी नया आयाम दिया है पहले घरों के अंदर एक या दो अखबार आते थे एक हिंदी का एक अंग्रेजी और

पाठक पढ़ते थे लेकिन अब सस्ते इंटरनेट के कारण ऑनलाइन हर अखबार उपलब्ध है अब लोग कई कई अखबार पढ़ते हैं और उससे हिंदी को नया बल मिलता है।

हिंदी भावनाओं के एक भाषा है उदाहरण के तौर पर

'तू - You

तुम - You

आप - You

अंग्रेजी में तू तुम आपके लिए सिर्फ एक ही शब्द है You जबकि हिंदी में यू के लिए तीन अलग-अलग शब्द है तू तुम आप इन तीनों शब्दों में अलग-अलग समय अलग-अलग भावनाएं होती हैं तू तुम और आप आप एक सम्मानजनक शब्द है तुम जिसके साथ आपका के नजदीकी रिश्ता है तू तू तड़ाक की भाषा है हिंदी हमारी मातृभाषा है हिंदी हमें सहज बनाती है अपनी भावनाओं को लेकर और सोशल मीडिया ने हिंदी को एक नया आयाम दिया है अब सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने विचार हिंदी में प्रकट करते हैं सामने वाले को हमारी भावनाएं पता लगती हैं कि हमारी भावनाएं क्या है।

**साहित्य की समीक्षा**

(पुखराज, 2015) में "*सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा का वर्चस्व*" का अध्ययन किया और पाया की आज फेसबुक पर हिन्दी की पोस्ट और ट्वीट को हजारों लाइक्स और आरटी मिल रहे हैं। राहुल देव जैसे पत्रकार फेसबुक पर हिंदी के प्रयोग को लेकर अभियान चला रहे हैं। फेसबुक के कई गुप हैं, जो हिंदी में ही चैट करना पसंद करते हैं। लिंक्डइन पर भी हिंदी का प्रभाव बढता जा रहा है। सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के बढते वर्चस्व को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री महोदय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों ने अपने सोशल मीडिया अपडेट्स हिंदी में प्रस्तुत किये हैं। इन अपडेट्स में लगभग 40 प्रतिशत हिंदी का प्रयोग होता है।

(सोनी, 2016) में "*सोशल मीडिया और हिन्दी*" का अध्ययन किया और पाया की एक समय था जब सोशल मीडिया पर ज्यादातर अंग्रेजी भाषा का ही प्रयोग होता था, और यह हिन्दी भाषियों के लिए सोशल मीडिया की राह में एक बाधा की तरह देखा जाता था। हालांकि यह बात और है कि हिन्दी दुनिया की

तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। लेकिन अब बदलते वक्त के साथ-साथ हिन्दी भाषा ने सोशल मीडिया के मंच पर दस्तक देकर अपने अस्तित्व को और भी बुलंद तरीके से स्थापित किया है। वर्तमान में सोशल मीडिया पर सक्रिय लोग अब हिन्दी भाषा का प्रयोग भी न केवल खुलकर बल्कि गर्व के साथ करते हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर अंग्रेजी का प्रयोग कई लोगों के लिए सिर्फ जरूरत या मजबूरी हुआ करता था, लेकिन अब हिन्दी का प्रयोग, हिन्दी प्रेमियों के लिए प्राथमिकता और गर्व का विषय बन गया है।

(सिंह, 2016) में "*सोशल मीडिया और हिंदी*" का दध्य्यं किया और कहा की आजकल जब लगभग हर चीज को सोशल मीडिया में उसकी उपस्थिति से नापा जा रहा है। हर संस्था, व्यक्ति, सरकार, कंपनी, साहित्यकर्मी से समाजकर्मी तक और नेता से अभिनेता तक को सोशल मीडिया में उसके वजन, प्रभाव और लोकप्रियता की कसौटी पर तौला जा रहा है। यह स्वाभाविक है कि इस नई तकनीकी-सामाजिक शक्ति और भाषा के संबंध को भी हम समझने की कोशिश करें। कुछ बुनियादी बातें शुरू में। यह सोशल मीडिया भी अंतत: एक तकनीकी चीज है। हर तकनीकी आविष्कार निरपेक्ष होता है। यानी हर तरह के काम के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, चाहे वह अच्छा हो या बुरा।

(मिश्रा, 2018) में "*सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रयोग*" का अध्ययन किया और कहा की सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रयोग वर्तमान सदी इंटरनेट और वेब मीडिया वाली सोशल मीडिया की सदी बन गई है। एक समय था जब मीडिया के केवल दो प्रकार प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉ निक मीडिया प्रचलित थे। धीरे धीरे जब इंटरनेट का प्रादुर्भाव हुआ, तो उसने अपने तरीके से समाज को प्रभावित करना शुरु किया। हम कह सकते हैं कि रेडियो और टेलीविजन के बाद इंटरनेट के बढ़ते प्रचलन से आई सूचना क्रांति ने सोशल मीडिया को जन्म दिया है। कभी मीडिया जन सूमह तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन पहुंचाने का सरल और सक्षम साधन हुआ करते थे। वहीं आज के 3जी और 4जी के दौर में यही काम अब सोशल मीडिया करने लगा है। यह हर उम्र के व्यक्ति के दिन प्रतिदिन के जीवन से जुड़ गया है।

(कुमर, 2011)में "*वर्तमान संदर्भ में सोशल मीडिया की भूमिका और प्रभाव*" का अध्ययन किया और पाया की हर एक शताब्दी अपनी किसी न किसी चीज के लिए पहचानी जाती है। ऐसे ही 21वीं शताब्दी 'इंटरनेट

और वेब मीडिया' के युग की शताब्दी मानी जा रही है। यह सर्वविदित है तथा बहस का प्रमुख विषय बन गया है कि बीसवीं सदी की समाप्ति तक दुनिया में सशक्त मीडिया माध्यमों का तीव्र गति से विस्तार हुआ है। इस विस्तार का ही परिणाम है मीडिया की शक्ति आम जनता के हाथ में आ गई है। मीडिया के बदलते आयामों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि मौजूदा समय बदलाव का समय है।

## उपसंहार

वर्तमान में सोशल मीडिया पर सक्रिय लोग अब हिन्दी भाषा का प्रयोग भी न केवल खुलकर बल्कि गर्व के साथ करते हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर अंग्रेजी का प्रयोग कई लोगों के लिए सिर्फ जरूरत या मजबूरी हुआ करता था, लेकिन अब हिन्दी का प्रयोग, हिन्दी प्रेमियों के लिए प्राथमिकता और गर्व का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर हिन्दी का प्रयोग, लोगों के लिए भीड़ से अलग दिखने का बेहद आकर्षक तरीका भी साबित हुआ है। जहां फेसबुक या ट्विटर पर अंग्रेजी में लिखे गए पोस्ट और कमेंट्स की भीड़ में हिन्दी में लिखी गई पोस्ट या फिर कमेंट प्रयोगकर्ताओं को ज्यादा जल्दी आकर्षित करता है, वहीं हिन्दी भाषा का समृद्ध एवं अलंकृत होना, किसी भी प्रस्तुति का स्वत: ही महत्वपूर्ण बनाने में सहायक सिद्ध होता है। हिन्दी भाषा को सोशल मीडिया पर हाथों हाथ लिए जाने का एक कारण यह भी है, कि हिन्दी भाषा अभिव्यक्त का एक बेहतरीन माध्यम है। इसके भावों को समझने में असुविधा का सामना नहीं करना पड़ता, और लिखी गई बात पाठक तक उसी भाव में पहुंचती है, जिस भाव के साथ उसे लिखा गया है। हिन्दी के तीव्र विस्तार का ग्राफ सोशल मीडिया पर मौजूद हिन्दी प्रेमी वर्ग की ओर इशारा करता है, जो लगातार वृद्धि करता देखा जा सकता है। यह हिन्दी भाषा की सुगमता, सरलता और समद्धता का ही कमाल है, कि विश्व स्तर पर आज हिन्दी, सोशल मीडिया के मंच पर खुद को सुशोभित कर पाई है, और काफी पसंद की जा रही है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1] कुमरअमित. (2011). वर्तमान संदर्भ में सोशल मीडिया की भूमिका और प्रभाव.

[2] पुखराजडॉ. (2015). सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा का वर्चस्व.

[3] मिश्राडॉ. शुभ्रता. (2018). सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रयोग.

[4] सिंहभूपेंदर. (2016). सोशल मीडिया और हिंदी.

[5] सोनीप्रीती. (2016). सोशल मीडिया और हिन्दी.

[6] पांडे, पीयूष, सोशल मीडिया में तथ्यों से खिलवाड़

[7] सुमन, स्वर्ण, सोशल मीडिया, संपर्क कांति का कल, आज और कल

[8] वाल्फसफेल्ड गाडी, मेकिंग सेंस ऑफ मीडिया एंड पॉलिटिक्स

[9] कॉस्टा एलिजाबेटा, सोशल मीडिया इन साउथेस्ट तुर्की

[10] मिलर कोस्टा हेंस, एमसी डोनाल्ड, निकोलसु : हाउ द वर्ल्ड चेंज सोशल मीडिया, यूसीएल प्रेस

[11] सुमन, स्वर्ण, सोशल मीडिया, संपर्क कांति का कल, आज और कल वाल्फसफेल्ड गाडी, मेकिंग सेंस ऑफ मीडिया एंड पॉलिटिक्स

[12] कॉस्टा एलिजाबेटा, सोशल मीडिया इन साउपथेस्ट तुर्की